लोग पार्टी ने दिल्ली हिंसा पर चिंता व्यक्त की, पुलिस पर भी आरोप लगाया

लखनऊ, 26 फरवरी: लोग पार्टी ने आज उत्तर-पूर्वी दिल्ली में सांप्रदायिक हिंसा पर गहरी चिंता व्यक्त की। लोग पार्टी ने दिल्ली पुलिस की भी आलोचना की, जो भीड़ को नियंत्रित करने में पूरी तरह से विफल रही। लोग पार्टी ने कहा दिल्ली में सीएए समर्थक और विरोधी समूहों के बीच पिछले एक महीने से अधिक समय से तनाव चल रहा था, और ये सांप्रदायिक हिंसा उसी तनाव का परिणाम है।

भारत सरकार के पूर्व सचिव विजय शंकर पांडेय की अध्यक्षता में लोग पार्टी के प्रवक्ता ने कहा कि दिल्ली में मौजूदा स्थिति का आकलन करने में पुलिस की विफलता के कारण इस तरह की हिंसा हुई। प्रवक्ता ने कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो का दिखना भी पुलिस द्वारा पक्षपातपूर्ण आचरण की ओर इशारा करता है। प्रवक्ता ने कहा कि सांप्रदायिक हिंसा का दोष सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय पर भी है।

प्रवक्ता ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि दंगे, आगजनी और पथराव के कारण एक हेड कांस्टेबल सहित 13 लोगों की जान चली गई और पिछले कई दिनों से पथराव जारी है। प्रवक्ता ने याद किया कि 2014 में त्रिलोकपुरी में सांप्रदायिक दंगे हुए थे, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ था और स्थिति को नियंत्रण से बाहर होने से पहले इसे प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया गया था। हालांकि इस बार की स्थिति राजनीतिक कारणों से उत्पन्न हुई है। प्रवक्ता ने कहा कि दिल्ली को बेहतर पुलिसिंग की आवश्यकता है।

प्रवक्ता ने कहा कि दिल्ली में सीएए समर्थक और विरोधी समूहों के बीच पिछले एक महीने से अधिक समय से तनाव चल रहा है क्योंकि केंद्र के भेदभावपूर्ण कानून के खिलाफ महिलाओं द्वारा शांतिपूर्ण आंदोलन किया जा रहा है, लेकिन राजनीतिक कारणों से पुलिस का रवैया प्रदर्शनकारियों के साथ ठीक नहीं रहा।

प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा के कुछ नेताओं के अत्यधिक आपत्तिजनक बयानों से स्थिति खराब हो गई है, जिन्होंने दिल्ली चुनाव के दौरान जहर उगलना शुरू कर दिया था और ऐसा करना जारी रखा।

प्रवक्ता ने कहा कि सीएए-एनपीआर-एनआरसी पर एनडीए सरकार का बार-बार आश्वासन देना काम नहीं आया क्योंकी लोगों के बीच विश्वास की कमी थी। लोग पार्टी ने कहा कि सीएए विरोधी प्रदर्शनकारियों को "दुश्मन" करार देने के बजाय एनडीए सरकार को उनके साथ बातचीत करनी चाहिए और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए उचित कानूनी ढांचे के साथ सामने आना चाहिए।

 (एसएन सिंह)

                                                                                       प्रदेश अध्यक्ष